अपील

दुर्गा पूजा के दौरान रांची शहर एवं आसपास के क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पन्डाल बनाये जाते हैं। दुर्गा पूजा के दौरान आग दुर्घटना एवं भगदड़ जैसे हादसों से बचने के लिये दुर्गा पूजा समिति निम्नलिखित सुरक्षा निर्देशों का पालन अवश्य करें .....

- पन्डाल की दूरी किसी मकान या संरचना से कम से कम 15 से 20 मीटर रखें।
- पन्डाल की दूरी किसी गैस गोदाम, बिजली के उपकेन्द्र, ट्रान्सफार्मर, रेलवे लाईन, हाई टेंशन लाईन से कम से कम 20 से 25 मीटर रखें।
- पन्डाल को बनाने में नायलॉन की रस्सी एवं सिन्थेटिक के कपड़ों का प्रयोग न करें।
- पन्डाल में प्रवेश एवं निकास के अलग–अलग रास्ते रखें। प्रवेश एवं निकास गेट पर पर्याप्त मात्रा में सुरक्षा कर्मचारियों की व्यवस्था करें।
- मुख्य प्रवेश गेट एवं निकास के गेट कम से कम 5 मीटर चौड़ा होना चाहिये।
- प्रवेश कतार लगाकर करायें एवं पुरुष एवं महिला के लिये अलग अलग कतार की व्यवस्था करें।
- निकास के रास्ते को जगह जगह पर तीर के निशान के संकेत से प्रदर्शित करें जिससे आम जनता को किसी इमरजेंसी के समय सुरक्षित निकास में मदद मिले।
- भगदड़ से बचाव के लिये भीड़ प्रबधंन की योजना पहले से बना कर रखें एवं उसे व्यवस्था में लगे पुलिस कर्मियों के साथ साझा करें।
- पन्डाल में बिजली की वायरिंग किसी योग्य एवं प्रशिक्षित इलेक्ट्रिशियन से करायें एव ंहमेशा आई0एस0आई0 मार्क के कॉपर के केबल का ही प्रयोग करें। नंगे तारों पर अच्छी प्रकार से टेप लगा कर रखें एवं उसे पहुंच से दूर रखें।
- कुर्सी पर बैठने के लिये बनायें गये दो पंक्तियों के बीच कम से कम 2.5 फीट का अन्तर रखें और सीट के दोनों ओर कम से कम 2.5 मीटर का स्थान खाली रखें।
- पन्डाल में ज्वलनशील पदार्थ को एकत्र करके ना रखें।
- कीचन पन्डाल से कम से कम 20 मीटर दूर रखें।
- पन्डाल के आसपास एवं आग संभावित क्षेत्र के आसपास पर्याप्त मात्रा में फायर एक्सटिंग्यूसर, पानी एवं बालू की व्यवस्था रखें।
- दुर्गा पूजा समिति पूजा शुरु होने से पूर्व अपने निकटतम फायर स्टेशन से आग से बचाव का अनापत्ति प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त करें।
- दुर्गा पूजा समिति के कर्मचारी एवं वालंटियर आग से बचाव एवं फायर एक्सटिंग्यूसर का प्रयोग किस प्रकार करना है इसकी जानकारी अवश्य रखें।
- पन्डाल में प्रशिक्षित स्टाफ की दखरेख में प्राथमिक उपचार की व्यवस्था रखें।
- कार्यक्रम के दौरान एम्बुलेंस एवं अग्नि शमन सेवा को तैयार रखें।
- किसी भी आपातकाल से बचने के लिये वैकल्पिक मार्ग पहले से चिन्हित कर रखें।
- कार्यक्रम के दौरान लाउड स्पीकर द्वारा लागों को सुरक्षा से सम्बंधित जानकारी एवं चेतावनी देते रहें।
- पूजा के दौरान सुरक्षा के लिये पन्डालों में सीसीटीवी कैमरा जरुर लगा कर रखें।
- किसी भी इमरजेंसी की स्थिति में पुलिस सहायता के लिये 100, अग्नि शमन सहायता के लिये 101, नम्बर पर सम्पर्क करें।